जागृति

वर्ष:62 अंक-9 मुम्बई अगस्त 2018

एमएसएमई मंत्री ने आयोग के महाराष्ट्र और देहरादून राज्य कार्यालयों को स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित किया

आयोग ने बाली द्वीप की विधवाओं के जीवन को नया आयाम दिया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

वर्ष 62 अंक-9 मुंबई अगस्त 2018

जागृति

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
के. एस. राव

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार
संजय एस. सोमदे

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार
शिव दयाल कुशवाहा

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: editorialkvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हो.

इस अंक में.....

समाचार सार .... 3 से 20

आयोग जल्द ही सुंदरबन में बाली द्वीप की बाघ-विधवाओं के जीवनयापन हेतु नये साधन प्रदान करेगा.........................

आयोग को मिला स्वच्छता पुरस्कार...............................

जयपुर में एमएसएमई समीक्षा बैठक..............................

रांची में खादी करीगर पंचायत....................................

आयोग द्वारा एकल पैन-इंडिया ई-मार्केटिंग का शुभारम्भ......

युगांडा को आयोग में नयी राह की तलाश........................

खादी संस्थाओं की समस्याओं पर चर्चा...........................

चेतना के बिना सीएसआर विवेकहीन है:श्री सक्सेना...........

राजनायिकों द्वारा मोंटेनेग्रो राष्ट्रीय दिवस समारोह पर खादी का अभिवादन..

भारत में मॉन्टेनेग्रो के राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन....

राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में खादी:"लोकल टू ग्लोबल".........

विविध...

खादी और ग्रामोद्योग आयोग दूरस्थ स्थानीय स्व-निकायों तक पहुंचा...

प्रेस कवरेज ....21से 29

आयोग जल्द ही सुंदरबन में बाली द्वीप की बाघ-विधवाओं के जीवनयापन हेतु नये साधन प्रदान करेगा

बाली द्वीप (सुंदरबन): सुंदरबन के बाली द्वीप के मैंग्रोव घाटों में बाघों द्वारा मारे गए पुरुषों की विधवा महिलाएं।

बाघ ने 30 वर्षीय सुमित्रा मिधा के पति पर हमला किया जिससे उन्हें असहनीय दर्द से गुजरना पड़ा और तत्पश्चात उनके पति की मृत्यु हो गई। ऐसी स्थिति में सुमित्रा मिधा के समक्ष सांस्कृतिक दोष व सामाजिक भेदभाव एवं मौलिक जरूरतों के अभाव तथा सामाजिक अस्वीकृति से उनकी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हुए और यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना रही। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा इस दिशा में साहसिक पहल की जा रही है - जिसने पहली बार शारीरिक और मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर महिलाओं की आजीविका में आ रहे व्यवधानों, मुश्किल समय में जीवन यापन के लिए आ रही समस्याओं व स्वास्थ्य संबंधी विषयों से प्रभावित लोगों का अध्ययन किया और विधवा सुमित्रा जैसी महिलाओं व कई अन्य लोगों को उनके जीवनयापन के लिए गांधी चरखा और मधुमक्खी बक्से वितरित किये गए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बाघ-विधवाओं जो असहनीय दर्द और पीड़ा का सामना कर रही हैं, उनके बारे में जानकारी हासिल करने के लिए 23 जुलाई, 2028 को बाली द्वीप का दौरा किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने पुनर्वास सिद्धांतों को एक प्रमुख कार्य के रूप में लेते हुए, उन्होंने पहले चरण में प्रशिक्षण के लिए उन पीड़ितों में से 75 लोगों का चयन करने के अलावा 50 चरखा देने का भी फैसला किया। बाघ पीड़ितों के लिए 'टाइगर विक्टिम खादी कताई केंद्र', बाली के रूप में शुरू करने हेतु उन्होंने, केवीआईसी अधिकारियों से 30 जुलाई से कताई और मधुमक्खीपालन के प्रशिक्षण कार्यक्रम को शुरू करने के लिए कहा गया है और अगस्त के अंतिम सप्ताह तक 50 चरखा और 500 मधुमक्खी बक्से की आपूर्ति सुनिश्चित की गयी है। इस वर्ष सितंबर के प्रथम सप्ताह के दौरान सक्रिय केंद्र का उद्घाटन किया जाएगा।

परिणामस्वरूप, यह केवीआईसी द्वारा ग्रामीणों को

(शेष पृष्ठ 17 पर)

आयोग को मिला स्वच्छता पुरस्कार

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 4 जुलाई, 2018 को दिल्ली में स्वच्छता पुरस्कार 2018 वितरित किये। माननीय मंत्री महोदय ने स्वच्छ केवीआईसी कार्यालय श्रेणी में आयोग के महाराष्ट्र और देहरादून, राज्य कार्यालयों को क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान से सम्मानित किया। आयोग के लिए निश्चित रूप से गर्व का क्षण था। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा भी उपस्थित थे।

जयपुर में एमएसएमई समीक्षा बैठक

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने क्षेत्र में एमएसएमई गतिविधि पर चर्चा और समीक्षा करने के लिए जयपुर में खादी और ग्रामोद्योग आयोग और एनएसआईसी, एमएसएमई, कॉयर बोर्ड के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। आयोग की विशेषज्ञ (सदस्य) डॉ शीला राय भी इस बैठक में उपस्थित थी।

आयोग के राज्य कार्यालय, जयपुर के उप निदेशक प्रभारी श्री अरुण कुमार गर्ग ने क्षेत्र में खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों के प्रगति तथा आयोग की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के बारे में भी अवगत कराया।

रांची में खादी कारीगर पंचायत

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने रांची में 1 जुलाई 2018 को झारखंड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित खादी करीगर पंचायत में भाग लिया। इस कार्यक्रम में झारखंड राज्य के महामहिम राज्यपाल प्रथम अतिथि के रूप में उपस्थित थी। इस पंचायत में 5000 से अधिक खादी कारीगरों ने भाग लिया।

झारखंड राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड ने 1 जुलाई, 2018 को रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत इंडोर स्टेडियम में एक दिवसीय कारीगर पंचायत का आयोजन किया। इस कारीगर पंचायत में झारखंड राज्य के 5000 से अधिक कारीगर एकत्रित हुए। झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास ने इस समारोह का उद्घाटन किया था और कार्यक्रम के समापन में झारखंड की माननीय राज्यपाल सुश्री द्रौपदी मुर्मू ने भाग लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कल्याण राज्य मंत्री श्री सुदर्शन भगत, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य पश्री अशोक भगत, हटिया विधायक श्री नवीन जायसवाल, झारखंड खादी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय सेठ, रांची की मेयर श्रीमती आशा लकड़ा, उद्योग विभाग के सचिव श्री विनय चौबे समेत बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखंड के कारीगरों को एक मंच प्रदान करना था ताकि कारीगर और शिल्पकार आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ शामिल हो सकें। इस कारीगर पंचायत में, पांच हजार से अधिक उद्यमी शामिल हुए, जो झारखंड की पहचान वाले कुछ उद्योग से संबद्ध थे। कारीगर पंचायत में बाजार और विपणन युक्तियों के बारे में जानकारी कारीगरों को भी दी गई, ताकि वे अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेच सकें।

अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने कहा कि रांची में जल्द ही एक खादी मॉल खुलेगा और यह देश का पहला खादी मॉल होगा। इसके लिए झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को राज्य सरकार 15 दिनों के भीतर एचईसी एरिया में जमीन उपलब्ध कराएगी-यह घोषणा मुख्यमंत्री ने की। उन्होंने कहा कि राज्य में 1.13 लाख कलाकारों को सूचीबद्ध किया गया है। उन्हें प्रशिक्षित कर बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने को प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे निश्चित रूप से उनके जीवन में बदलाव आयेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधान मंत्री के एक मधु क्रांति की बात की और उन्होंने कहा, झारखंड मधु क्रांति के लिए सबसे उपयुक्त जगह है। इस दिशा में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग हनी मिशन क्षेत्र में काम कर रहा है। माननीय मुख्यमंत्री ने केवीआईसी के अध्यक्ष को आयोग द्वारा हनी बॉक्स प्रदान करने की घोषणा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कलाकारों को लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का सहारा देकर उनके उत्पाद में वैल्यू एडिशन करायेंगे। मार्केट के लिए ग्रामीण हाट और अरबन हाट के साथ-साथ पर्यटक स्थलों पर भी हाट बनाकर उन्हें बाजार उपलब्ध कराएंगे। झारखंड खादी बोर्ड के माध्यम से गांव-गांव में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार से जोड़ा गया है। बोर्ड उन्हें बाजार मुहैया करा रहा है।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी कारीगर पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड राज्य में मधु क्रांति से शहद का उत्पादन अच्छा होगा, यदि राज्य में शहद का उत्पादन हनी मिशन के तहत किया जाय तो झारखण्ड हनी मिशन का अग्रणी स्टेट बन सकता है। इसके लिए झारखण्ड को हनी मिशन के तहत मिलने वाले 5000 हनी बॉक्सेस को बढ़ाकर 10,000 किया जाएगा। खादी बोर्ड के 3 आउटलेट्स के सौंदर्यीकरण के लिए भी धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी।

इस अवसर पर झारखण्ड खादी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय सेठ ने कहा कि अब झारखण्ड से पलायन नहीं होगा, क्योंकि मधु क्रांति से व्यापक रूप में स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

इसी पंचायत में सत्तू के 'रेडी टू ईट' पैकेट को लांच किया गया। अबीर ग्रामोद्योग संस्था द्वारा तैयार इस चने के सत्तू की खासियत यह है कि इसमें काला नमक, गोल्की पाउडर, सादा नमक, जीरा, चीनी और शुगर फ्री को मिलाकर तैयार किया गया है। बस इसे पानी में डालकर पी लेना है। 100 ग्राम के इस पैकेट को बनाने का संस्था का उद्देश्य इसे देश के हर कोने में पहुंचाना और इसे लोगों का स्वास्थ्यवर्धक ड्रिंक बनवाना है।

आयोग द्वारा एकल पैन-इंडिया ई-मार्केटिंग का शुभारम्भ

नई दिल्ली: 'डिजिटल इंडिया' और 'मेड इन इंडिया' को मिलाकर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अपनी आतंरिक विपणन प्रक्रियाओं के लिए एक स्थान से संचालित "खादी संस्था प्रबंधन और सूचना प्रणाली (केआईएमआईएस) नामक अपनी पहली पैन-इण्डिया प्रणाली लॉन्च की शुरुआत की, जिसे देश भर में खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के क्रय-विक्रय के उद्देश्य से उपयोग किया जा सकता है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना जिन्होंने इस प्रणाली का उद्घाटन किया ने इस अवसर पर कहा कि, चूंकि खादी और ग्रामोद्योग आयोग पारदर्शिता और इसके सभी पहलुओं पर दृढ़ता पूर्वक विश्वास करता है, अतः खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की बिक्री और खरीदी में एकरूपता लाने व बिलिंग जैसी गतिविधियों के लिए कुछ इस तरह के सॉफ्टवेयर विकसित करने की आवश्यकता थी, एक स्थान से ही जिससे दूर दराज़ के किसी भी स्थान से चौबीस घंटे निगरानी की जा सकती है। "मुझे इस बात की बेहद खुशी और संतुष्टि है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग की सूचना प्रद्योगिकी (आईटी) टीम ने आयोग के आतंरिक उपयोग के लिए लाखों रूपये की कीमत का ऐसा पूर्ण-प्रमाणित सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जिसका किसी अन्य संगठन के माध्यम से विकसित कराने या खरीदने में भुगतान करना पड़ सकता था। इससे पहले यह सॉफ्टवेयर बेंगलुरु स्थित एक तीसरे पक्ष से लिया गया था, जिस पर लाखों रु भगतान करने के बाद भी खादी और ग्रामोद्योग आयोग का स्टॉक और खातों में कोई नियंत्रण नहीं था।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि अब यह इन-हाउस सॉफ़्टवेयर न केवल बिक्री का वास्तविक वर्तमान आंकड़े उपलब्ध कराएगा, बल्कि यह खादी और ग्रामोद्योग

(शेष पृष्ठ 18 पर)

युगांडा को आयोग में नयी राह की तलाश

नई दिल्ली: शुक्रवार को भारत में युगांडा की गुडविल राजदूत रेणु वरुण के नेतृत्व में छः सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना से राजघाट, नई दिल्ली स्थित आयोग के कार्यालय में मुलाकात की और युगांडा के जिन्जा में गांधी विरासत स्थल के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा उपहार स्वरूप प्राप्त गांधी चरखा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

अध्यक्ष के साथ बात करते हुए गुडविल राजदूत ने युगांडा में प्रदर्शित किये जा रहे गाँधी चरखे के स्थान पर आने के लिए आमंत्रित किया इसकी पृष्ठभूमि ही ऐसे है कि पहली बार ऐसा हुआ की नील नदी के तट पर बसा पूर्वी अफ्रीका जहाँ गाँधी जी की राख छिडकी गई हो और संयोगवश आज युगांडा एक अच्छा कपास उत्पादक देश है , विकास पथ पर दौडने के लिए निजी क्षेत्र के विकास को समर्थन, युगांडा सरकार की आवश्यकता को प्रकट करती है | चूंकि युगांडा में एक व्यापक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) उप-क्षेत्र है जो निजी क्षेत्र का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा है, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के नवीनतम कार्यक्रम जैसे 'हनी मिशन', 'कच्ची घानी तेल', टेलरिंग, मोमबत्ती बनाने, कताई और बुनाई इत्यादि गतिविधियाँ ग्रामीण गरीब और बेरोजगार युगांडा वासियों के लिए चलाई जा सकती हैं। जिसके माध्यम से वे अपने आने वाले कल को बदल सकते हैं, उन्होंने आगे यह भी जानकारी दी कि "यूगांडा उत्पादन करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ सहभागिता करने हेतु उत्सुकता

(शेष पृष्ठ 9 पर)

अवध क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती खादी

केवीआईसी ने 16 जुलाई, 2018 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में अपना पहला "खादी इण्डिया" आउटलेट खोला है, जिसका सार्वजनिक रूप से अच्छा प्रतिसाद देखने को मिला है। देश के कई और अन्य शहरों में भी "खादी इण्डिया" आउटलेट खोले जा रहे हैं।

(पृष्ठ 8 से आगे)

युगांडा को आयोग में नयी राह की ....

से प्रतीक्षा कर रहा है, क्योंकि यह युगांडा की अर्थव्यवस्था को आगे ले जा सकता है।"

उपरोक्त विचारों पर अपनी सहमती देने के साथ साथ अन्य प्रतिनिधियों शेबा क्योबुतुंगी (मुख्य कार्यान्वयन युवा डेस्क), लुसी नाक्योबे (स्थायी सचिव), लिलियन एस्टर सेबेद्दुआ (मुख्य सुरक्षा बल डेस्क), सेरुयंगे सुसान (रक्षा मंत्रालय, वरिष्ठ सामाजिक विकास अधिकारी) एवं और फरीदाह नासाली (प्रबंधक, राष्ट्रपति उपक्रम) को शामिल करते हुए यह भी कहा कि वे खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यक्रमों और विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार सृजन पर इसके प्रभाव को देखकर अभिभूत थे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न महिला सशक्तिकरण परियोजनाओं का अध्ययन करने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को भारत में आमंत्रित किया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के बहु-उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र का भी दौरा किया और उन्होंने सिलाई, डिजाइनिंग और अन्य इकाइयों में प्रशिक्षणार्थियों के साथ बातचीत की। उन्होंने वहां पर योग प्रशिक्षण इकाई में लगभग 10 मिनट तक योग भी किया।

इससे पूर्व, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने तीन रंग की गुंडी (तिहाड़ जेल की महिला कैदियों द्वारा बनाई गई) और रूमाल (नारकोटा के पास रहने वाले जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित परिवारों की महिलाओं द्वारा बनाई गई) से सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। युगांडा के प्रतिनिधिमंडल ने 'महात्मा गांधी के प्रसिद्ध तीन बंदरों' के जैसे तीन युगांडा विशाल चिम्पांजी के लघुचित्र उपहार स्वरूप दिए।

खादी संस्थाओं की समस्याओं पर चर्चा

संस्था संघ के नये खादी बिक्री भवन का शुभारंभ

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 1 अगस्त, 2018 को संस्था संघ, जयपुर के परिसर में प्रसिद्ध डिजाइनर रितु बेरी द्वारा डिजाइन किये गए पश्चिमी पैटर्न और डिजाइनर परिधान "विचार वस्त्र" के लिए नवीनीकृत खादी भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोग की विशेषज्ञ सदस्य डॉ शीला राय; मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्रीमती प्रीता वर्मा; वित्तीय सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश एवं उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (उत्तर क्षेत्र), निदेशक और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इससे पहले, राजस्थान में खादी संस्थाओं की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने भरतपुर में पीएमईजीपी यूनिट द्वारा उत्पादित डिटर्जेंट पाउडर 'आर्य नं 1' को भी बाज़ार के लिए उपलब्ध कराने की शुरुआत की।

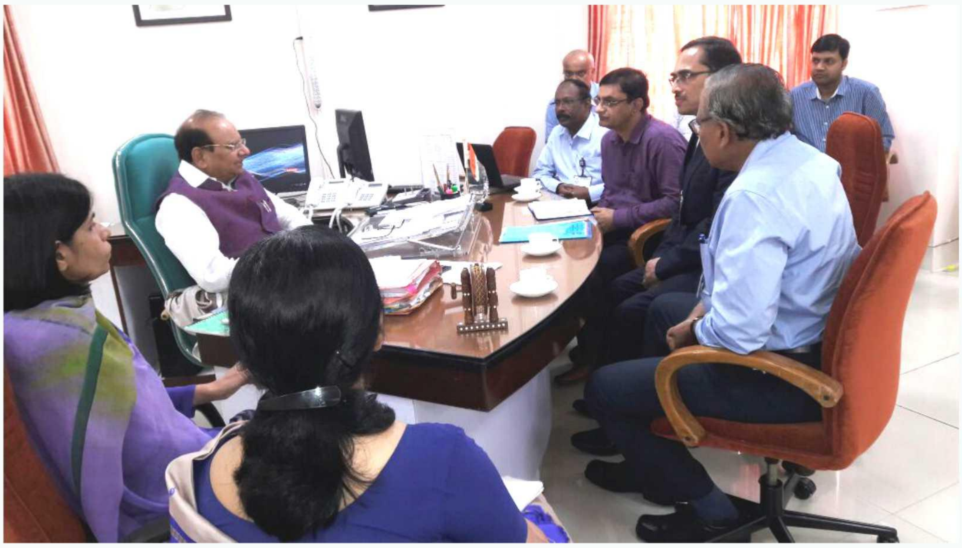

26 जुलाई, 2018 को आयोग मुख्यालय में एचपीसीएल के कार्यकारी निदेशक श्री प्रसाद के साथ एक बैठक हुई, जिसमें एचपीसीएल ने *'टर्नकी बेसिस'* पर केवीआईसी के अधिशेष भूमि में पेट्रोल पंप स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की, जिसके लिए एचपीसीएल आयोग को किराया भुगतान सहित बिक्री पर ट्रेड कमीशन भी प्रदान करेगा।

चेतना के बिना सीएसआर विवेकहीन है:श्री सक्सेना

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा है कि आधुनिक विश्व में कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) की भूमिका और समय की आवश्यकता ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पर जोर दिया है, जिसने इसे बाद में जागरूक सामाजिक उत्तरदायित्व की मूल भावना से संबंधित पर्यावरण चिंतन के रूप में नामित किया है।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर्स ऑफ कॉमर्स (एफआईसीसीआई) एवं भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन 'खादी: फ्रॉम लोकल टू ग्लोबल' में उद्यमियों, डिजाइनरों, बुनकरों, नीति निर्माताओं और अन्य हितधारकों (स्टेक होल्डर) को संबोधित करते हुए, आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि सीएसआर में चेतना शामिल किए वगैर, समाज में परित्यक्त अंतिम व्यक्ति के कल्याण के बारे में सोचने के लिए यह केवल एक चिंतन है।

यह कार्यक्रम 19 जुलाई, 2018 को फिक्की ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। वाराणसी में सेवापुरी गांधी आश्रम में एक पुराने खादी संस्था को फिर से शुरू करने में उपयोग किए गए सीएसआर निधि के उदाहरण का हवाला देते हुए श्री सक्सेना ने कहा, "हमें ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) से सीएसआर निधि प्राप्त हुई। लेकिन, लोगों को एक बार लाभ प्रदान करने के बजाय महात्मा गांधीजी के मार्गदर्शन में हमने वाराणसी में 71 वर्ष पुरानी 12 एकड़ में फैले सेवापुरी खादी आश्रम की महिमा को पुनर्जीवित किया, जो खादी को बढ़ावा देने तथा कतिनों और बुनकरों को रोजगार प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था। पिछले 26 वर्ष से बंद पड़े इस आश्रम ने पुनः उसी मिशन पर काम करना शुरू कर दिया है। आश्रम परिसर में खादी इकाई को पुनर्निर्मित करने हेतु अपने सीएसआर फंडों का उपयोग करने के लिए हम आरईसी के साथ शामिल हुए, जिसने इस क्षेत्र के 800 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार दिया है। न केवल आरईसी द्वारा प्रदान किए गए 250 सौर चरखों और 80 सौर करघों ने 400 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान किया, बल्कि कार्यकर्ता सहकारी समितियों में इस पहल का हिस्सा बनने के लिए शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, मुंबई स्थित लिज्जत पापड़ ने यहाँ एक पापड़ बनाने वाली इकाई की भी स्थापना की है,"केंद्र में 200 स्थानीय महिलाओं को काम के लिए नामांकित किया गया है।" उन्होंने कहा, "यदि सीएसआर का लक्ष्य सामाजिक जिम्मेदारी की मूल चेतना को बनाए रखना है, तभी यह सच्चे अर्थ में सीएसआर है।"

आयोग के अध्यक्ष ने विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी, निंपिट, सुंदरबन, पश्चिम बंगाल का दौरा किया और जहाँ उन्होंने 500 मधुमक्खी बक्से वितरित किए।

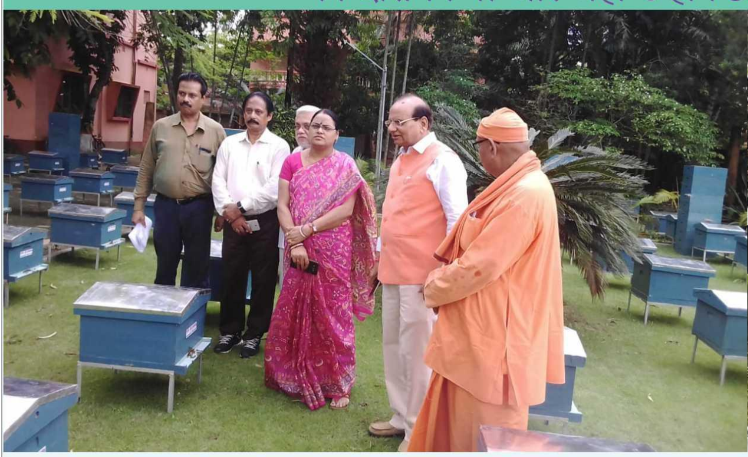

राजनायिकों द्वारा मोंटेनेग्रो राष्ट्रीय दिवस समारोह पर खादी का अभिवादन

नई दिल्ली: 13 जुलाई, 2018 को नई दिल्ली में भारत में मोंटेनेग्रो के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेने वाले विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के लिए - 'ट्रेंडी मोंटेनेग्रो विद इंडियन खादी' थीम के साथ - भारत के राष्ट्रीय सांस्कृतिक वस्त्र 'खादी' के ताना-बाना ने वास्तव में उनके दिलों को अनुभूतिक रूप से मंत्रमुग्ध कर दिया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि इस कार्यक्रम ने खादी के मुख्य गुणों – हाथ कते, हाथ बुने और प्राकृतिक वस्त्र की अवधारणा को वैश्विकृत किया और यह मोंटेनेग्रिन और यूरोपीय प्रवृत्तियों व डिजाइनरों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खादी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक मंच था, जो बाद में खादी के लिए वैश्विक बाज़ार का सृजन करेंगे । उन्होंने कहा, "मुझे यकीन है कि मोंटेनेग्रो के साथ हमारे समन्वय से राजनयिकों ने खादी के गुणों को जानने के बाद पूरी तरह से इसकी प्रशंसा की है, इससे हम अपने उत्पादों की वाणिज्यिक बिक्री में वृद्धि कर सकेंगे।" उन्होंने कहा, "यह वास्तव में देश के लिए गर्व का विषय है कि खादी फैशन शो के इस आयोजन में भाग लेने वाले राजनयिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।"

इसी तरह के विचारों की पुष्टि करते हुए भारत में मोंटेनेग्रो के माननीय वाणिज्यक दूत डॉ. जेनिस दरबारी ने कहा कि खादी को बढ़ावा देने के लिए राजनायिक कोर में सद्भावना और दोस्ती को हमेशा उपयोग में लाया जाएगा। "यह गर्व की बात है कि मोंटेनेग्रो और भारत के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में यह अवसर एक मील के पत्थर के रूप में स्थापित होगा, क्योंकि यह कार्बनरहित उद्योग है जो भारतीय कारीगरों के हाथ कते और हाथ बुने प्राकृतिक वस्त्र संरक्षित करता है । उन्होंने कहा कि कई दूतावासों के शीर्ष राजनयिकों ने भारत के इस महत्वपूर्ण वस्त्र को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य किया है।

भारत में मॉन्टेनेग्रो के राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन

यह आयोजन भारत में मोंटेनेग्रो के मानद कंसुल जनरल डॉ. जेनिस दरबारी द्वारा मोंटेनेग्रो के वाणिज्य दूतावास में आयोजित किया गया था। भारत के उच्च रैंकिंग गणमान्य अतिथियों और भारत में अलग-अलग देशों के मौजूद उच्चायुक्तों एवं राजनयिक कोर के सदस्यों ने उपस्थित रह कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी।

इस कार्यक्रम में राजनयिक कोर के डीन श्री फ्रैंक हंस डैननबर्ग कैस्टेलानोस, डोमिनिकन गणराज्य के असाधारण और प्लेनिपोटेन्टिरी राजदूत, राजनयिक कोर के उपाध्यक्ष श्री अलेम त्सेहाय वोल्देमारीम, इरिट्रिया राज्य के विशेष और प्लेनिपोटेन्टिरी राजदूत, भारत में मॉन्टेनेग्रो के मानद वाणिज्यक दूत डॉ. जेनिस दरबारी और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना और केवीआईसी बोर्ड के सदस्यों ने भाग लिया।

भारत में विदेश मामले के मंत्रालय के मुख्य अतिथि श्री सुब्रत भट्टाचार्यजी ने इस अवसर पर कहा कि "माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री वी. के. सिंह ने खूबसूरत देश मोंटेनेग्रो का दौरा किया है और मेरी बाल्कन के राजदूतों के साथ अच्छी दोस्ती है। आप मुझ पर और मेरे मंत्रालय पर भरोसा कर सकते हैं, मॉन्टेनेग्रो के मित्र के रूप में मेरा मंत्रालय खादी संवर्धन की एक बड़ी सफलता की कामना करता है।" "मॉन्टेनेग्रो के मानद वाणिज्यक दूत डॉ. जेनिस दरबारी ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री सक्सेना को धन्यवाद देते हुए खादी सूत से बुनाई और खादी के साथ ट्रेंडी मोंटेनेग्रो की मित्रता एक बड़ी खासियत है, ट्रेंडी खादी हाथ बुना, हाथ कता वस्त्र है और हमारे देश में हम में से प्रत्येक के पास हाथ बुने, हाथ कते वस्त्र की परंपरा रही है और हमारे कारीगरों द्वारा बुने गए खादी वस्त्र और हस्तशिल्प- डीन के समर्थन से हम इसे वैश्विक स्तर पर ले जा सकते हैं और दुनिया भर में सांस्कृतिक नेटवर्क बना सकते हैं। मुझे लगता है कि हर व्यक्ति के लिए हम सही मायने में आर्थिक आजादी ला सकते हैं, इस 'सिग्नेचर फैशन शो' में आपका स्वागत है। भारत में इस कपड़े को बहुत ही अपनेपन से पहना जाता है।"

विशेष रूप से इस कार्यक्रम के लिए विदेश से आए राजनायिकों के डीन ने कहा, हम आपके जैसा अच्छा वाणिज्यक दूत चाहते हैं। हम इस बात से प्रसन्न हैं कि आप बहुत सक्रिय हैं और अच्छा कार्य कर रहे हैं, और मैं, मॉन्टेनेग्रो से आप में से ही एक होने के लिए एवं वाणिज्यक दूत नियुक्त होने के लिए आप को बधाई देता हूं। आप हमेशा हमारी गतिविधियों का हिस्सा रहें हैं और भारत और मॉन्टेनेग्रो के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महान कार्य कर रहें हैं।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री वी. के. सक्सेना ने कहा, "मोंटेनेग्रो द्वारा खादी के साथ हाथ मिलाते

(शेष पृष्ठ 15 पर)

राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन में खादी: लोकल टू ग्लोबल

फिक्की, नई दिल्ली में 19 जुलाई, 2018 को आयोजित खादी:"लोकल टू ग्लोबल"- राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन लेते हुए आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, श्री अश्विनी लोहानी, वाणिज्य मंत्रालय और उद्योग सचिव श्री आलोक वर्धन चतुर्वेदी, आईएएस तथा आईआईएफटी के परियोजना प्रमुख श्री राकेश मोहन जोशी भी मौजूद थे।

16 और 17 जुलाई 2018 को भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र , नई दिल्ली में आयोजित "महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उद्यमशीलता, नवीनता और स्थायित्व को बढ़ावा देने" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रोताओं को संबोधित करते हुए आयोग के तत्कालीन उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. एस. राव।

(पृष्ठ 13 से आगे)

भारत में मॉन्टेनेग्रो के राष्ट्रीय दिवस.......

हुए मैं राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर मॉन्टेनेग्रो और मॉन्टेनेग्रो के मानद कंसुल जनरल डॉ जेनिस दरबारी को बधाई देना चाहता हूं, यह एक महान परिवर्तन है, खादी को ग्लोबल बनाने का एक लंबा रास्ता है । खादी को ईमानदारी, शुद्धता, हाथ बुना हुआ और हाथ कता भारत का राष्ट्रीय वस्त्र भी कहा जाता है । मोंटेनेग्रो के साथ हाथ मिलाकर यह आज एक ऐतिहासिक दिवस बना है क्योंकि इससे खादी वैश्विक हो रही है। मैं खादी को वैश्विक बनाने का अवसर देने के लिए सुश्री जेनिस दरबारी का आभारी हूं।"

इस सिग्नेचर फैशन शो को डीएवी स्कूल, मौसम विहार के शिक्षकों द्वारा कोरियोग्राफ किया गया था, जिसमें उनके अल्युमिनी और वरिष्ठ छात्रों ने मॉडल के रूप में भाग लिया था।

खादी और राज दरबारी के साथ काम कर रही श्रीमती परिधि शर्मा, एनजीओ ने आधुनिक वस्त्र डिजाइन करने में मदद की। ब्रिटिश युग की बेटी के नाम से जानी जाने वाले प्रसिद्ध 90 वर्षीय शीला दरबारी , 1947 से पहले डीएवी कॉलेज की सबसे पुरानी एल्युमिनी में से एक ने 1942 की यादों का स्मरण किया कि जब पिता जगदीश्वर निगम आईसीएस बलिआ में जिला मजिस्ट्रेट थे, जिन्होंने 25 हजार सत्याग्राहियों की भीड़ को खादी पहने हुए बलिया में प्रवेश करने की इजाजत दी थी। वह एक महान प्रशंसा के बीच एक देशभक्तिपूर्ण गीत "हम अपनी आजादी को हरगिज मिटा सकते नहीं, सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं " की थीम पर रैंप पर चली चूंकि शो स्टॉपर श्रीमती स्वेता डागर, जो 2017 में मिस इंडिया प्रथम रनर अप थी, खादी साड़ी पहने हुए बहुत आकर्षण लग रही थी।

विविध

आयोग के माननीय सदस्य श्री जयप्रकाश तोमर ने विनायक मॉल, वाराणसी स्थित बिक्री आउटलेट का दौरा किया। इससे पहले आयोग के माननीय सदस्य ने इलेक्ट्रॉनिक चाक और ब्लेंडर के वितरण के लिए कुम्हारी कारीगरों के साथ चर्चा भी की।

शिमला के माननीय सांसद श्री वीरेंद्र कश्यप ने आयोग के राज्य कार्यालय, शिमला का दौरा किया, जहाँ आयोग के राज्य निदेशक/प्रभारी, शिमला श्री मांगेराम ने खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की स्थिति के बारे में बताया। बैठक के दौरान, निदेशक ने माननीय सांसद को खादी सूतमाला पहनाकर और खादी रूमाल का एक सेट (खादी उत्पाद) भेंटकर उनका स्वागत किया।

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में आचार्य बालकृष्ण और आयोग के राज्य निदेशक, देहरादून श्री कुंज बिहारी के साथ एक बैठक हुई। इस बैठक का उद्देश्य मधुमक्खी पालकों के हितार्थ उनका शहद बेचने के लिए पतंजलि के माध्यम से उन्हें बाजार उपलब्ध कराना है।

आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद ने स्वच्छता दिवस मनाया।

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पूर्व क्षेत्र द्वारा बाली, सुंदरबन, पश्चिम बंगाल में 01.08.2018 को बाघ पीड़ित विधवाओं और अनु.जाति/अनु.जन जाति के ग्रामीणों के लिए कत्ताई और मधुमक्खी पालन पर एक प्रशिक्षण का उद्घाटन किया गया, जिसमें कताई और मधुमक्खी पालन के प्रशिक्षण में क्रमशः 50 और 25 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

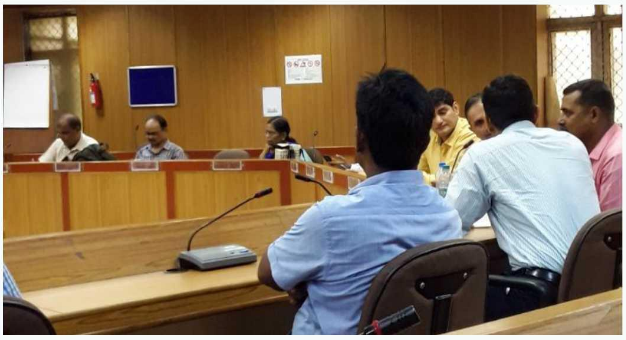

आयोग के राज्य निदेशक, देहरादून ने 30 जुलाई 2018 को आईएसटीएम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत अभियान के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

(पृष्ठ 3 से आगे)

आयोग जल्द ही सुंदरबन में बाली द्वीप की बाघ..........

परिवार का भरण पोषण करने हेतु उनके मूल गांवों में उचित रूप से उन्हें एपिकल्चर और खादी गतिविधियों को अपनाने और सुंदरबन से शहद निकालने के लिए प्रोत्साहित करना तथा गहरे पानी से मछली पकड़ने जैसे जोखिम पूर्ण गतिविधियों को रोकने के लिए केवीआईसी द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण कदम होगा। जिससे वे बाघों, मगरमच्छ और जहरीले सांपों के शिकार से बच सकेंगे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि : "हम बाघ के हमले के कारण होने वाली मानव मौतों को कम करना चाहते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हम ग्रामीणों को गांवों में उचित रूप से सभी संभव एपिकल्चर और बुनाई सम्बंधित गतिविधियाँ करने हेतु मदद करेंगे ताकि उन्हें घने जंगलों में जोखिम भरा कार्य करने की आवश्यकता न पड़े।"

हालांकि आयोग के लिए सफलतापूर्वक भारत भर में पीड़ितों/प्रभावितों के लिए सुरक्षित और सम्मानित आजीविका प्रदान करना कोई नई घटना नहीं है।

सबसे पहले जम्मू-कश्मीर में नागरोटा गांव में यह पहल की गयी थी, जहां 'नेपकिन सिलाई केंद्र' की स्थापना से आतंकवाद से प्रभावित गांवों की विस्थापित महिलाओं का पुनर्वास किया गया था और अब, उन महिलाओं द्वारा सिले गए रूमालों का कई सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा उल्लेखनीय रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यक्तियों को उपहार के रूप में देने के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। इसके बाद, खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के आसपास अवैध शिकार को रोकने एवं वनस्पतियों और जीवों को बनाए रखने का एक साहसिक कार्य किया। आयोग ने पहली बार असम वन विभाग के सहयोग से एक नए प्रशिक्षण-सह-उत्पादन केंद्र शुरूआत की, जिसमें काजीरंगा वन क्षेत्र में करबी-एंग्लोंग जिले के तहत सिलिमखोवा गांव के कारीगरों को 25 चरखा, पांच करघे और अन्य सहायक उपकरण प्रदान किये गए। उसके बाद, इस साल 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस पर, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने काजीरंगा में 100 असमी आदिवासी लोगों के बीच 1,000 मधुमक्खी बक्से वितरित किए – जिसे उनके जीवन का पुनर्निर्माण हो सके और उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

बाली, सुंदरबन, पश्चिम बंगाल में 01अगस्त, 2018 को बाघ पीड़ित विधवाओं और अनु.जाति/अनु.जन जाति के ग्रामीणों के लिए कताई और मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण का एक अन्य दृश्य।

(पृष्ठ 7 से आगे)

आयोग द्वारा एकल पैन-इंडिया ई-मार्केटिंग.................

आयोग की वस्तुसूची पर नियंत्रण के साथ ही योजना और प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए हमारे भवनों और गोदामों के स्टॉक की वर्तमान व वास्तविक स्थिति से भी अवगत भी कराएगा।

उन्होंने बताया कि बिलिंग सॉफ्टवेयर किमिस (केआईएमएस) के माध्यम से जुडी हुए न केवल 480 खादी सुधार और विकास कार्यक्रम (केआरडीपी) अपितु सभी खादी संस्थाओं के कार्यनिष्पादन की जानकारी ली जा सकती है , यह दूरदराज के स्थानों पर स्थित संस्थाओं व उनके द्वारा प्रति क्षण बढ़ रही मांग पर उत्पादित हो वस्तुओं की मांग और आपूर्ति में वृद्धि करने में भी बहुत उपयोगी साबित होगा। यहां तक कि मुझे दूरस्थ स्थानों पर की जा रही बिक्री के सम्बन्ध में क्षण भर में जानकारी हो सकेगी। यह किसी भी भवन में किसी भी प्रकार की कमी या अधिकता की संभावना को भी समाप्त कर देगा।

श्री सक्सेना ने आगे कहा कि चूंकि यह प्रणाली प्रथम चरण में है, इसलिए कुछ अड़चने उत्पन्न हो सकती है। "पूर्व की प्रणाली में, हमारे कर्मचारियों के समक्ष बिलों को हटाने या अपडेट करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, किन्तु इस नए सॉफ्टवेयर के माध्यम से अब यह हमारे मुख्यालय से ही सेकेंड्स में हो सकता है। हमारे कर्मचारी नए सॉफ्टवेयर का कुशलता से उपयोग कर सकें इसके लिए हम अपने सभी कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

त्रिपुरा जिले के कुमरघाट, उनोकुटी में 10.07.2018 को मधुमक्खीपालन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 12.07.2018 से पांच दिवसीय प्रशिक्षण इसी स्थान पर शुरू होगा। 2018-19 के दौरान त्रिपुरा राज्य में यह आठवां जागरूकता शिविर और प्रशिक्षण है। बरसात के मौसम के बाद, इस प्रशिक्षण के माध्यम से मधुमक्खी उपनिवेशों और बॉक्स वितरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

राज्य कार्यालय, चंडीगढ़ को राजभाषा कार्यान्वयन हेतु पहला पुरस्कार

आयोग के राज्य कार्यालय, चंडीगढ़ को कार्यालय के काम में हिंदी भाषा के उपयोग और राजभाषा कार्यान्वयन के लिए पहला पुरस्कार मिला। राजभाषा कार्यान्वयन समिति, चंडीगढ़ ने आयोग के राज्य कार्यालय, चंडीगढ़ को एक स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया।

कुमारन महिला कॉलेज, तिरुपुर में केन्द्रीय ताड़, ताड़गुड़ उत्पाद संस्थान, चेन्नई द्वारा ब्यूटीशियन, सैनिटरी नैपकिन और इमिटेशन ज्वेलरी पर प्रशिक्षण हेतु 5 दिवसीय एसडीपी कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 146 छात्रों ने भाग लिया।

दिनांक 17.7.2018 को आयोग के राज्य कार्यालय, कर्नाटक को इसरो के निदेशक एवं टोलिक (नराकास), बंगलुरु के अध्यक्ष से आधिकारिक भाषा (हिंदी) के तहत अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला।

12 जुलाई, 2018 को, श्री यशपाल सिंह, राज्य निदेशक, खाग्राआ,अंबाला ने खादी ग्रामोद्योग संघ, कुरुक्षेत्र का दौरा किया और आयोग के केआरडीपी कार्यक्रम के तहत कत्तिनों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की।

भोपाल में रतिबाद, गांव-आमला में शहद और मधुमक्खीपालन के किसानों के लिए स्कूल का उद्घाटन

आयोग के राज्य कार्यालय, भोपाल ने 20 जुलाई, 2018 को खादी सुधार और विकास कार्यक्रम के तहत कमजोर खादी संस्थाओं के साथ एक बैठक आयोजित की।

खादी कपड़े से बने थैले को लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के खादी थैलों को विकसित किया जा रहा है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग दूरस्थ स्थानीय स्व-निकायों तक पहुंचा 'बिहार राजधानी के सफाई कर्मचारी अब पहनेंगे खादी'

नई दिल्ली: महात्मा गाँधी के दो पसंदीदा कार्य अर्थात स्वच्छता और खादी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष देश भर में 2 अक्तूबर को 150 वें जन्मदिन समारोह से पूर्व पटना नगर निगम (पीएमसी) ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग (खा.ग्रा.आ.) से 4,000 पुरुष और महिला सफाई कर्मचारियों के लिए अनुकूलित खादी वर्दी खरीदने का निर्णय लिया है। इतना ही नहीं, प्राथमिक तौर पर अगले सप्ताह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री गिरिराज सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पीएमसी, खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की आपूर्ति करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ तीन साल के समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। इससे पूर्व, ये कर्मचारी टेरी-सूती से बनी वर्दी पहनते थे जो कि स्वास्थ्यवर्धक नहीं थी।

इससे पूर्व, इस वर्ष १९ जून को पीएमसी आयुक्त श्री अनुपम कुमार सुमन ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष से अपने पुरुष और महिला स्वच्छता कर्मचारियों के लिए खादी वर्दी प्रदान करने का अनुरोध किया था। पीएमसी आयुक्त के अनुरोध पर तुरंत प्रतिक्रिया लेते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने पीएमसी में सक्षम प्राधिकरणों से इसकी मंजूरी लेने के लिए अपने कुछ अधिकारियों को पटना नमूने के साथ भेजा। हैरानी की बात है कि पीएमसी ने न केवल नमूने को मंजूरी दे दी, बल्कि 30 जून को खादी वर्दी सेटों की आपूर्ति करने के लिए अपने 4,000 पुरुष और महिला सफाई कर्मचारियों के लिए एक मांग पत्र भी दिया, जिसमें इस वर्ष 15 अगस्त तक पुरुषों के लिए शर्ट-पैंट 8,000 सेट, महिलाओं के लिए सलवार कुर्ता के 8,000 सेट के अलावा 4,000 जोड़ी सैंडल, 4,000 जोड़ी जूते और टोपी के 4,000 पीस की मांग की गई है। इसके साथ ही, पीएमसी ने सर्दियों के मौसम के दौरान ऊनी खादी वस्त्रों की आपूर्ति सहित सामग्री की नियमित आपूर्ति करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ तीन वर्षों हेतु समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना गांधीजी की खादी को बिहार के स्थानीय निकायों तक पहुंचने पर प्रसन्ना जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि "मेरे लिए यह बिहार से उनके 150वें जन्मदिन समारोह से पहले राष्ट्र पिता को एक महान श्रद्धांजलि की तरह है - चंपारण की भूमि जहां से उन्होंने महात्मा के रूप में अपनी यात्रा प्रारंभ की – जो कि स्थानीय निकायों में परिवर्तन करने के लिए थी। उन्होंने कहा कि इस आदेश का मूल्य लगभग 2 करोड़ रूपये है, खादी सफाई कर्मचारियों के वस्त्र के संबंध में अनिवार्य है- क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में अपने अचंभित दिनों के प्रवास के बाद महात्मा गांधी के सबसे प्यारे बहुत से लोगों में से एक हैं। "यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि खादी ने देश के कोने–कोने में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं, सफाई कर्मचारी स्थानीय स्व निकायों का सबसे निचला हिस्सा हैं - विकेन्द्रीकृत प्रशासन की कमान इनके पास है।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों को समझौता ज्ञापन (एमओयू) तैयार करने, नमूने का प्रस्ताव देने और आपूर्ति को अंतिम रूप देने में उनके समयबद्ध, त्वरित और केंद्रित दृष्टिकोण की सराहना करते हुए श्री सक्सेना ने कहा "इस परिवर्तन को अंतिम रूप देने के लिए केवल 10 दिन लगे हैं। यह इंगित करता है कि हमारे तीव्र विकास की तरह, हमारी गति भी उच्च स्तर में पर पहुँच गई है।"

Popularising the charkha, KVIC-style

For Gandhi*ji*, the 'charkha' was the 'dharma chakra', the instrument of our proud inheritance that needed to be reinserted into our national lives

VINAI KUMAR SAXENA

Any wheel is symbolic of changing times, revolving fortunes of people and reminiscent of justice that does not discriminate between people or epochs of history. A wheel is always seen as a unifier and an icon of our past, present and future.

When emperor Ashoka used the wheel as a '*dharma chakra*' and installed it in eddicts and around his empire, he had just one intention in his mind: Establishing 'social justice, indiscrimination and reducing inequalities'. That symbolism, that he established in the Indian society, is an asset of immemorial heritage. Chakra, as a propagator of '*dharma*', still revolves at the core of our social value system. And values of inheritance do not change with passing time. Gandhi*ji* reiterated this to us over a century ago. In his eminence of thought, *dharma* gave people self-reliance, life support and opportunity to hold the heads high and stand on one's own feet. For Gandhi*ji*, the '*charkha*' was the '*dharma chakra*', the instrument of our proud inheritance that needed to be reinserted into our national lives and consciousness.

The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) is a custodian of this fortune of inheritance. Commemorating this monumental and extraordinary inheritance of value, the KVIC, under the guidance of Prime Minister Narendra Modi, has embarked on a mission of installing '*charkhas*' in prominent places of India and abroad as a constant reminder of our commitment to 'social justice' and people's 'self reliance' as a tribute to *dharma*.

The KVIC has also embarked upon distributing *charkhas* to the poor of India, following the spirit of this inheritance of heritage. While in a decade after 2004, successive Governments had just distributed 175 *charkhas*, minimising the message of *dharma* as established by Gandhi*ji*, the KVIC in the past three years distributed more than 31,000 *charkhas* to the needy artisanal families across the length and breadth of the country. Inheritance of social justice and self-reliance is now an asset of pride, thanks to the spinning wheel.

As for establishing the visibility of the message of *charkha*'s symbolism to India, the KVIC at first installed a high-quality Burma teak-wood four-ton *charkha* on July 5, 2016, at Terminal-3 of Indira Gandhi International Airport in New Delhi. This was the world's largest wooden *charkha* — nine feet wide, 17 feet tall and 30 feet long — it has been silently broadcasting Gandhi*ji*'s idea of social justice to millions of travellers. The KVIC then installed a 13 feet tall and 25 feet long world's largest steel *charkha* at Rajiv Chowk at Connaught Place on May 21, 2017, along with the establishment of the Heritage Charkha Museum. It has become so popular that now the people have rechristened the area as Charkha Chowk.

To mark the celebrations of Champaran Satyagraha centenary across the nation, another 18 feet long, 5.75 feet wide and 10 feet high grand steel *charkha* was installed on April 15, 2018 in Charkha Park, located in front of the Gandhi Museum at Motihari in Bihar. Not only that, as a part of the centenary year celebrations of Gandhi*ji*'s Swadeshi Movement alias BUBU in Uganda, the KVIC donated a 25-kg high-quality teak wood 3.6 feet long *charkha* to the Gandhi Heritage Site at Jinja in Uganda on October 2 last year, which is also the International Day of Non-Violence. And, the last but not the least in this line-up is the installation of a 2.2-ton large stainless steel *charkha*, made of high-quality chromium-nickel, corrosion resistant, non-magnetic and non-hardenable (11 feet tall, 22 feet long and 6.5 feet broad) stainless steel, near gate number 3 of Sabarmati River Front Park on the opposite bank of Sabarmati Ashram at Ahmedabad, which was unveiled on June 26, 2018 as a tributary endeavour to 150 years of the birth anniversary of Mahatma Gandhi — also known as 'Saint of Sabarmati'.

Much like the legendary idea of building Taj Mahal and Lal Quila on opposite banks of Yamuna River at Agra, the stainless steel *charkha* is the first *charkha* of this sort in Gujarat — the native State of Mahatma Gandhi. Since the location is so strategic, this *charkha* is visible to one and all coming to the Sabarmati Ashram and Dandi Bridge, from where Mahatma Gandhi kicked off the famous Dandi March.

Apart from installation of these monumental *charkhas*, Prime Minister Narendra Modi also advocated that a wider distribution of *charkhas* in every corner of the nation for creation of job opportunities for rural masses at their doorsteps, needs to be accomplished. Following this dedication to the cause, from November 2015, the KVIC has so far distributed more than 6,000 looms in addition to 31,000 *charkhas* given to artisans. Besides, nearly 2,100 solar *charkhas*, too, have been given for the very first time after Independence in such a large scale.

Over a million artisans living in rural India, predominantly women, aspire to possess one single instrument — *charkha*, which can empower them to spin khadi yarn and sustain their family. And in the spirit of the '*dharma*' of social justice, the KVIC constantly caters to the need and sustains those lives that build the inner fibre of modern India. For the KVIC, *charkha* and *dharma* are two inseparable halves of national consciousness.

(The writer is Chairman, KVIC)

KVIC comes to rescue the tiger-troubled 'Sunderban'

OUR CORRESPONDENT

Bali Island of Sunderban – the land where tigers have mauled the men widowing women.

Life of 30-year-old Sumitra Midha was torn to rags by the claws as she bore the intolerable pain of losing her husband in tiger attack.

The Bag-Bidhoba (tiger-widow in local parlance) was fighting the aftermath of the fateful incident, while she was coping with the consequent discrimination, deprivation, and social rejection, and the impact on her mental health, something just changed in the area for good.

Vinai Kumar Saxena, Chairman, KVIC visited the Island to understand the pain and agony of the tiger-widows on July 21.

"We want to bring down human deaths due to tiger attack to zero. Keeping this in mind, we will help villagers in taking up apiculture and weaving in all possible forms right in the villages so that they do not need to venture deep into the forests," Saxena said on the visit.

Vinai Kumar Saxena, Chairman, KVIC visited Bali Island of Sunderban to launch a training centre – 'Tiger Victim Khadi Katai Kendra' Bali for all the victims who suffer the loss of their husbands

After studying the impact on the survivors in terms of health, both physical and psychosocial, disruption of livelihoods and food insecurity – the commission led by Khadi planned to provide a new lease of life in form of Gandhian Charkhas and bee-boxes for Bag-Bidhoba Sumitra and many others like her, to eke out their livelihood.

Besides giving 50 Charkhas, KVIC selected 75 women among all victim widows for training in the first phase.

Named as 'Tiger Victim Khadi Katai Kendra' Bali – the programme will start from July 30 until the last week of August, training the selected women in spinning and bee-keeping.

It is likely that the Kendra inaugurates during the first week of September this year.

Consequently, it would be a significant stride by the KVIC to encourage the villagers to take up apiculture and Khadi activities right in their native villages. The programme will also stop villagers from collecting honey and fishing in deep waters of the Sundarban forest for eking out bread for their families – risking their lives – prey to tigers, crocodiles and poisonous snakes.

It is not something new for KVIC to successfully provide dignified ways of eking out the livelihoods to the victims/ sufferers across the nation.

Initially, the women of Nagrota village in Jammu and Kashmir witnessed the training from the centre developed by KVIC, where the migrant women of terrorism-infested villages there were rehabilitated in the Napkin Stitching Centre.

As a result of which, the handkerchiefs made by those women are being used as gifts to the noted national and international dignitaries by many government and non-government organisations.

Continuing with the practice of making a good change, the KVIC derived a novel way to cut out illegal poaching and maintain flora and fauna in and around Kaziranga National Park in Assam. Started with a new training-cum-production centre set up in association with Assam forest department, giving 25 charkhas, five looms to the village – artisans of Silimkhowa village under Karbi-Anglong district.

Following that initiative, on May 20 which is celebrated as World Honey Bee Day, under a programme of KVIC, it distributed as many as 1,000 bee-boxes among 100 Mishing Asamese tribal people in Kaziranga – for rebuilding their lives and secure their future.

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Printed and Published by Jaiyendra Kumar Sharma on behalf of Front Row Media Pvt. Ltd. and printed at The Indian Express Pvt. Ltd., A-8, Sector-7, Noida-201 301 (U.P.) and published from First Floor, Pratap Bhawan, 5 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110 002. Editor: Durbar Ganguly, Executive Editor: Arya Rudra. Email: durbarganguly@gmail.com, Tel. No. 011-47777500

राजरंग

www.clowntimes.co.in

खादी ग्रामोद्योग बेरोजगारों को रोजगार का देता है अवसर : बलधारी सिंह

खादी ग्रामोद्योग आयोग यानी एक ऐसा सरकारी आयोग जो ग्रामीण क्षेत्रों व शहरों में रहने वाले शिक्षित बेरोजगारों के लिये रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करता है [illegible]

विशेष संवाददाता

प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ

किसानों की आय दोगुना करने में मदद करें : कश्यप

शिमला, 6 जुलाई (ब्यूरो): सांसद वीरेंद्र कश्यप ने कहा है कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग ग्रामीण क्षेत्र के स्वयं सहायता समूह की पहचान करें। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की मदद से लोगों को जोड़ा जाना चाहिए ताकि वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना किया जा सके। उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य कार्यालय दौरे के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि हनी मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाना आवश्यक है। इससे लोगों की आय में वृद्धि होगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि आयोग की तरफ से तैयार उत्पाद की प्रदर्शनी शिमला व सोलन सहित अन्य क्षेत्रों में लगाई जाए, जिससे विभाग की तरफ से तैयार किए गए उत्पाद का प्रचार-प्रसार हो और उसके विपणन में भी मदद मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति कार्यक्रम के तहत सभी कर्मचारी एवं अधिकारी 12 रुपए के वार्षिक प्रीमियम में किसी भी बैंक में अपना बीमा अवश्य करवाएं। इस अवसर पर उपनिदेशक एवं प्रभारी राज्य कार्यालय शिमला मांगे राम ने खादी और ग्रामोद्योग के अंतर्गत वर्ष 2017-18 के दौरान की गई प्रगति की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सांसद को भवन एवं स्टाफ क्वार्टर उपलब्धता के संबंध में मांग पत्र भी प्रस्तुत किया।

KVIC launches in-house e-marketing system

Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has launched its first in-house single umbrella e-marketing system that can be accessed from anywhere in India for sale and purchase of its products. The earlier software was a third-party software, with its headquarters in Bengaluru, on which the KVIC had no control in stock and accounts, despite paying hefty sum for it, KVIC Chairman V K Saxena said, "The in-house software will not only give a real-time data of sales, it will also give the updated status of stocks of Bhawans and godowns, subsequently smoothing the planning procedure, along with controlling the inventory of KVIC," Saxena added.

Govt aims to promote Khadi as global fabric, says Prabhu

NEW DELHI: The government aims to promote Khadi as a global fabric as it has the potential to boost economic growth, Commerce and Industry Minister Suresh Prabhu said on Thursday.

To achieve this aim, new designs and styles in Khadi are essential, he said.

His remarks came through a video message at a conclave jointly organised by Ficci, IIFT and Khadi India.

The minister said district-level development is the key to promote Khadi as a global fabric which in turn will promote economic growth. For this, 6 districts in 5 states have been identified and taken up as pilot projects.

Besides, Directorate General of Foreign Trade Alok Vardhan Chaturvedi said Khadi sector employs 80 lakh people and government assistance and promotions can provide once-in-a-while push, but long-term sustainability requires inherent demand.

He said there is huge opportunity for Indian fashion industry in textile sector, both in domestic and international market, and Khadi needs to create demand. Ashwani Lohani, Chairman, Indian Railway Board, said there is a need to make Khadi a symbol of national pride.

Lohani said the railways on a daily basis require four lakh bedrolls and would be willing to partner Khadi and Village Industries Commission (KVIC) in developing a strategy to provide disposable Khadi bedrolls and towels at economical rates. PTI

घोषणा. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की कारीगर पंचायत में बोले मुख्यमंत्री

एचइसी क्षेत्र में खुलेगा देश का पहला खादी मॉल, एक एकड़ जमीन देगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा : बाजार की चिंता न करें

- 15 अगस्त के पहले मॉल का शिलान्यास कराने की है कोशिश
- खादी बोर्ड के सालाना बजट को भी बढ़ाने जा रही है सरकार

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा है कि देश का पहला खादी मॉल एचइसी क्षेत्र में खुलेगा. इसके लिए सरकार 15 दिनों के अंदर खादी बोर्ड को एक एकड़ जमीन उपलब्ध कराने जा रही है. प्रयास है कि 15 अगस्त के पहले इस मॉल का शिलान्यास भी हो जाये. श्री दास रविवार को आयोजित कारीगर पंचायत को संबोधित कर रहे थे.

संवाददाता ▷ रांची

मीठी क्रांति के लिए झारखंड उपयुक्त

मधु के क्षेत्र में झारखंड ही बड़ा काम कर सकता है

देश व राज्य की उन्नति में उद्योगों की भूमिका अहम : राज्यपाल

अब झारखंड से पलायन नहीं होगा

व्यापारियों, वाहन मालिकों एवं आम जनता से करेंगे बंद की अपील

खंड बंद पर विपक्ष ने बनायी रणनीति

झारखंड को तीसरा

देगा जनमत : सूर्य सिं

Mere Slogan of 'Say No To Drugs' will not yield any result: Dr Hina

Dr Hina Shafi Bhat, Member (NZ) KVIC speaking at an anti-drug abuse awareness programme.

STATE TIMES NEWS

SRINAGAR: Mere slogan of 'Say No to Drugs' will not yield any result. We have a collective responsibility to find the cause, as well as remedial measures, for the safety and security of our youth.

This was stated by Dr Hina Shafi Bhat, Member (NZ) KVIC while speaking at an anti-drug abuse awareness programme organised by Kashmir Adventurist here at Tagore Hall. The aforesaid programme was sponsored by the Khadi and Village Industries Commission (KVIC). During the programme, large number of students from various colleges and higher secondary participated. Dr Hina said, "We lost one generation to the gun and we are going to lose the next generation to drugs. This is a great hint to understand the cause of drug-addiction in Kashmir." She said, "It is unfortunate that drug addiction in the Valley has received little attention from the general public as well as from NGOs, who are just superficially dealing with the problem. It is a big social problem and needs concrete steps and strategies." The government, mass media and other social organisations must work with great coordination, and in a close-knit manner, to nip the evil in the bud, she asserted. Anil Kumar Sharma Assistant Director, In-charge Kashmir Region KVIC gave a detailed presentation on Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP). He said under PMEGP people especially youth can start their entrepreneurship and can be saved from the ill effects of drugs.

The programme ended with a resolution to make the entire State a drug-addiction free region.

के.वी.आई.सी. की ऑनलाइन बिलिंग शुरू

नई दिल्ली, 3 जुलाई (वार्ता): खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) ने ऑनलाइन बिलिंग प्रणाली 'खादी संस्थान प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली (किमिस)' का शुभारंभ किया। के.वी.आई.सी. के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने 'किमिस' का उद्घाटन करते हुए कहा कि खरीद-बिक्री के लिए आंतरिक तौर पर एकल वृहद बिलिंग सॉफ्टवेयर विकसित करना समय की मांग है जिस पर देश में कहीं से भी चौबीसों घंटे करीबी नजर रखी जा सकती है।

Bee-keeping training camp by ICFAI

NEC Report

Kamalghat, July 2: The ICFAI University Tripura has undertaken yet another initiative to train residents of Kamalghat and adjoining areas on bee-keeping, which is rapidly coming up as assured mean of livelihood among the rural people.

A five-day training programme on bee-keeping commenced at Kamalghat Campus of ICFAI University, Tripura today under the aegis of Khadi & Village Industries Commission. The KVIC is helping the working class to a great extend by providing kit and training.

Altogether 39 trainees participated in the training programme from Kamalghat, Fatikcherra, Murabari, Bhati Fatikcherra, Lembucherra and Barjala areas. Most of the participants are women. On the inaugural day, KVIC Master Trainers demonstrated usage of bee-keeping kit and method of preserving honey.

Khadi & Village Industries Commission had sponsored the training programme for 25 participants but considering the benefit of the training Bamutia MLA Mr. Krishnadhan Das nominated 14 additional participants bearing the expenses from his Local Area Development (LAD) fund. The Pro-Vice Chancellor of ICFAI University, Tripura Prof. Biplab Halder this afternoon visited the training programme and interacted with Master Trainers and trainees.

Earlier, an Awareness Program was conducted at the University Campus on last Friday involving the likely participants. The programme evoked huge response with more than 100 women taking part in it.

The program was graced among others by Barjala MLA Dr. Dilip Das, Bamutia MLA Mr. Krishnadhan Das, NABARD General Manager Mr. Sunil Kumar and KVIC Deputy Director Mr. K C Roy. They all lauded the initiatives taken by ICFAI University, Tripura and assured all future help in such endeavour.

KVIC launches single umbrella pan-India e-mktg

In what comes as a fusion of 'Digital India' and 'Made in India', the Khadi and Village Industries Commission (KVIC), on Tuesday, launched its first in-house single-umbrella e-marketing system named Khadi Institution Management and Information System, which can be accessed from anywhere pan-India for the purpose of sale and purchase of KVIC. KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena, who inaugurated this system, said that since KVIC firmly believes in transparency in all of its aspects, it was the need of the hour to develop some in-house single umbrella billing software for sale and purchase that could be monitored round-the-clock from any remotest place. "It gives me immense pleasure and satisfaction that KVIC IT team has developed such a full-proof software in-House, which might have costed millions of Rupees if bought from any third party.

बदलाव — नए उत्पाद, स्टोर लोकेशन, ऑफर संग फीडबैक का भी ऑप्शन

खादी एप ने बदला रूप व नजरिया

आधुनिक चाक का प्रयोग करती महिला

बिजली वाली चाक से कुम्हारों की बढ़ेगी आय

जासं, वाराणसी : कुम्हारों को बिजली चलित चाक की सुविधा दी गई है। इससे इनकी आय में वृद्धि होगी। समय की बचत और उत्पादन में वृद्धि होगी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से इस दिशा में पहल की गई है। निदेशक बलधारी सिंह के अनुसार नई तकनीक की सुविधा दी गई है। वाराणसी कार्यालय के तहत बारह जिलों में 260 कुम्हारों को विद्युत चालित चाक, मिट्टी गूंथने वाली मशीन व उन्नत किस्म की भट्टी अनुदान के तौर पर दी जाएगी। इससे उन्नत किस्म के उत्पाद तैयार होंगे। इससे इनके दैनिक आय में तीन से चार गुना वृद्धि होगी। इस क्लस्टर में कुम्हार द्वारा तैयार सामान को खादी और ग्रामोद्योग आयोग तथा संस्थाओं द्वारा संचालित बिक्री केंद्रों पर बेचने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए 96 लाख रुपये स्वीकृत किया गया है। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन से अन्य कुम्हार भी आकर्षित होंगे।

'133 फीसद बढ़ी खादी की बिक्री'

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय व विधि मंत्री ने किया लालबाग में खादी मार्ट का उद्घाटन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : गांधी की खादी सिर्फ कपड़ा ही नहीं विचारधारा है, जिसे आगे बढ़ाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की पहल पर वर्ष 2004 से 2014 के बीच खादी के उत्पादों की बढ़ोतरी जो 6.6 थी, वह 2014 से 2018 के बीच बढ़कर 133 फीसद हो गई है। आम आदमी से लेकर खास आदमी की पहुंच वाली खादी अब विकास की ओर बढ़ रही है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना सोमवार को खादी के विकास पर बोल रहे थे।

वह लालबाग में खादी इंडिया के नाम से खुले प्रदेश के पहले खादी मार्ट के उद्घाटन पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उद्घाटन अवसर पर विधि एवं न्यायमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रमुख सचिव खादी ग्रामोद्योग नवनीत सहगल के अलावा आयोग के सदस्य जय प्रकाश तोमर, राज्य निदेशक आरएस पांडेय व सहायक निदेशक एके मिश्र समेत आयोग के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

खादी मार्ट का उद्घाटन करने के बाद कपड़े देखते खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना, साथ में मंत्री ब्रजेश पाठक, खादी और ग्रामोद्योग के प्रमुख सचिव नवनीत सहगल, व अन्य

डालीबाग में खुलेगा दूसरा खादी मार्ट

डालीबाग स्थित उप्र खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड परिसर में प्रदेश का दूसरा खादी मार्ट खुलेगा। मार्ट में खादी के कपड़ों के साथ ही डिजाइनर खादी और आयुर्वेद उत्पाद मिलेंगे। देश में अब तक ऐसे 8083 शोरूम खुल चुके हैं। अकेले एक साल में 1009 आधुनिक शोरूम खोले गए। देशभर में खादी के 26 फ्रेंचाइजी दी गई है।

खादी अपनाएं, पानी बचाएं

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि खादी का एक मीटर कपड़ा बनाने में तीन लीटर पानी खर्च होता है जबकि एक मीटर मिल में कपड़ा बनाने में 56 लीटर पानी खर्च होता है। ऐसे में खादी अपना कर पानी को बचाया जा सकता है।

मार्ट में ये होगा खास

आयोग के राज्य निदेशक आरएस पांडेय ने बताया कि यह शो रूम मध्यम वर्गीय परिवार को ध्यान में रखकर बनाया गया है। डिजाइनर कुर्ती के साथ ही पैजामा और कुर्ता भी मिलेगा। साबुन और आयुर्वेदिक उत्पादों के अलावा घरों में प्रयोग होने वाले कई उत्पाद भी मिलेगा।

खादी ने पेश किया इंडियन और वेस्टर्न कलेक्शन

सन्मार्ग संवाददाता, नई दिल्ली : दादाजी-नेताजी की प्रिय खादी लंबा सफर तय कर चुकी है। खादी के पारंपरिक और पश्चिमी परिधान के रूप में डिजाइन किए जाने के बाद अब इसे दुनिया भर में पसंद किया जाएगा और इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि भारत का यह सिग्नेचर फैब्रिक आने वाले समय में वैश्विक ब्रांड बन जाएगा। यह बात **माइक्रो, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री गिरिराज सिंह** ने कनॉट प्लेस के खादी भवन में इंडियन वेस्टर्न डिजाइनर वियर के लांच के मौके पर कही। मंत्री ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की बिक्री में तेजी से बढ़ोतरी के साथ-साथ पिछले चार सालों में वार्षिक कारोबार में काफी वृद्धि हुई है जो कई व्यापारिक कंपनियों के लिए आश्चर्य की बात बन गई है। केवीआईसी प्रधानमंत्री के सपने को वास्तविक आकार दे रहा है, क्योंकि यह देश में सबसे बड़ा नौकरी प्रदाता है। **केवीआईसी के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना** ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग की पहल पर वर्ष 2004 से 2014 के बीच खादी के उत्पादों की बढ़ोतरी जो 6.6 थी, वह 2014 से 2018 के बीच बढ़कर 133 फीसद हो गई है। खादी को हर वर्ग के लोग पसंद कर रहे हैं और पिछले चार वर्षों में खादी की लोकप्रियता खास कर युवाओं में बढ़ी है।

...का नेतृत्व महिला क्रिकेटर टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने किया। इस अवसर पर आईटीसी बेवरेज बेवरीज के सीओओ संजय सिंघल उपस्थित थे।

केवीआईसी ने खुद की ई-मार्केटिंग प्रणाली शुरू की

नयी दिल्ली, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने आज अपनी ई - मार्केटिंग प्रणाली शुरू की है। इस प्रणाली के जरिये देश के किसी भी हिस्से से खादी उत्पादों की बिक्री - खरीद की जा सकती है। केवीआईसी चेयरमैन वी. के. सक्सेना ने कहा की इससे पहले जो ई - मार्केटिंग प्रणाली थी उसका साफ्टवेयर बाहरी कंपनी का था जिसका मुख्यालय बेंगलूरू में था। केवीआईसी का इस पर कोई नियंत्रण नहीं था। इसके लिये भारी राशि का भुगतान करने के बावजूद केवीआईसी का इसमें स्टॉक और खाते पर कोई नियंत्रण नहीं था। सक्सेना ने कहा कि आयोग के अपने साफ्टवेयर से अब उत्पादों की बिक्री की त्वरित जानकारी तो मिलेगी ही इसमें खादी भवनों और गोदामों में माल की स्थिति की भी पूरी जानकारी होगी। इससे आगे की योजना बनाने में आसानी होगी।

जागरण सिटी जम्मू — जम्मू, 6 जुलाई 2018 — दैनिक जागरण 3

डेढ़ सौ से अधिक गाय-भैंस के गोबर से नागेंद्र कर रहे हैं बिजली का उत्पादन

गोशाला का बनाया मन तो कई घर हुए रोशन

महेंद्र दुबे • भदोही

उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल वैसे तो विकास के मामले में काफी पिछड़ा माना जाता है, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे भी हैं, जिन्होंने जिद पाल रखी है कि उपेक्षाओं की बगिया में विकास के फूलों की क्यारी लगा कर ही मानेंगे। कुछ इसी जज्बे को जी रहे हैं, भदोही जिला स्थित अभोली विकास खण्ड के सदौपुर गांव निवासी नागेंद्र सिंह। वह देश तो नहीं मगर उत्तर प्रदेश के छोटे बिजली उत्पादक जरूर बन गए हैं। बिजली के लिए वह अब न तो सरकारी दफ्तर के चक्कर काटते हैं और न उनको बिजली आने और जाने की चिंता रहती है। उन्होंने खुद का गोबर से संचालित विद्युत उत्पादन प्लांट लगा रखा है। यह श्वेत के साथ ऊर्जा क्रांति की ओर बढ़ता कदम है।

इससे पूर्व उनकी पहचान क्षेत्र में सामान्य गोशाला संचालक के तौर पर ही थी, मगर गोबर से बिजली उत्पादन प्लांट लगाने के बाद वह अब न सिर्फ अपना घर रोशन कर रहे हैं बल्कि पड़ोसियों को भी उत्पादित अतिरिक्त बिजली निशुल्क दे रहे हैं। महज बिजली ही उनकी आर्थिक स्थिति को नहीं सुधार रही बल्कि प्लांट से मिलने वाला बायो फर्टिलाइजर (जैविक खाद) भी खेतों के लिए खरा सोना साबित हो रहा है। गोबर से संचालित विद्युत उत्पादन संयत्र से रोज तीस किलोवाट बिजली पैदा हो रही है। उनके घर के विद्युत उपकरण तो इससे संचालित हो ही रहे हैं, साथ ही आसपास के पांच घर भी इसी बिजली से रोशन हो रहे हैं। किसानों की आय दो गुना करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को नागेंद्र सरीखे लोगों ने ऊंची उडान की संकल्पना दी है। नागेंद्र सिंह की खेती-किसानी में बचपन से ही रुचि रही है। जब उन्होंने गोशाला का निर्माण कराया तो विद्युत कटौती बाधा उत्पन्न करने लगी। प्रतिदिन बिजली की आपूर्ति सही तरीके से हो, इसके लिए 140 घन मीटर के बायोगैस संयत्र का निर्माण कराया। इसमें कुल 21 लाख 41 हजार रुपये की लागत आई। गोशाला में करीब डेढ़ सौ से अधिक गाय और भैंस हैं। लिहाजा कहीं और से गोबर लेने की भी बाध्यता नहीं और इसलिए गोशाला से निकले गोबर से प्रतिदिन तीस किलोवाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। नियमित दस हार्स पावर का पंपिंग सेट, चारा मशीन, तीन एसी, कूलर, सबमर्सिबल पंप संचालित होते हैं। वहीं, पड़ोस के वीरेंद्र बहादुर सिंह, जिलाजीत सिंह के भी पंपिंगसेट से लेकर घर भी रोशन हो रहे हैं। इस संयत्र से कम से कम चौदह घंटे बिजली की आपूर्ति आसानी से की जा रही है। इस बायोगैस प्लांट से बिजली के साथ ही जैविक खाद का भी उत्पादन किया जा रहा है।

एयरकंडीशन में सुकून के पल बिताते नागेंद्र सिंह और परिजन (मध्य) अपने गोबर आधारित बिजली प्लांट के साथ नागेंद्र सिंह (दाएं) गोबर आधारित प्लांट • जागरण • जागरण

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना प्रतिदिन उत्पादित हो रही तीस किलोवाट बिजली का, गोबर से खेतों को मिल रही जैविक खाद

कुछ ऐसे मिली प्रेरणा

नागेंद्र सिंह बताते हैं कि जब उनकी गोशाला ने साकार रूप लिया तो बिजली की कटौती से बहुत परेशानी हो थी। एक परिचित ने गोबर से बिजली पैदा करने के बारे जानकारी दी। उनकी सलाह पर संयंत्र लगवाया। अब बिजली रहे अथवा न रहे, उनके संयत्र से उत्पादन के कारण बिजली जाने की कोई चिंता नहीं रहती है। गौशाला के साथ ही बिजली उत्पादन को सरकार को बढ़ावा देना चाहिए। इससे श्वेत के साथ ही ऊर्जा क्रांति आएगी। साथ ही रासायनिक उर्वरक भी खत्म होंगे।

कुम्भकारों को नई टेक्नोलॉजी से अवगत कराने को 96 लाख रुपए स्वीकृत

वाराणसी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा कुम्भकारी उद्योग को बढ़ावा देने तथा कुम्भकारी को नई टेक्नोलाजी से अवगत कराने तथा क्रियान्वयन के लिए 96 लाख रुपए स्वीकृत किए गए है। खादी ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक बलधारी सिंह ने बताया कि इस बाबत खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य जय प्रकाश तोमर कुम्भकारी उद्योग से जुड़े हुए कामगारों, उद्यमियों की चर्चा की गयी कि किस तरह से इस स्वीकृत राशि से कुम्भकारी उद्योग को बढ़ावा देना है। उन्होंने वाराणसी कार्यालय के अंतर्गत आने वाले जिलों में 260 कुम्भकारों को विद्युत संचालित चाक, मिट्टी गूंथने वाली मशीन व उन्नत किस्म की भट्टी तथा नई टेक्नालाजी के द्वारा सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त उन कुम्भकारों को खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रदर्शनियों में भाग लेने की व्यवस्था की जा रही है जिससे कि वे अपना सामान प्रदर्शनियों में बिक्री कर सके। विद्युत चालित चाकों के परिवेश से उनकी दैनिक आय में दोगुना वृद्धि होने की भी संभावना है। इस कार्यक्रम के सफल होने पर और अधिक कुम्भकार भी आकर्षित होंगे ... है।

Khadi gets a 'fitting' tribute

The Khadi Bhavan at Gandhi Maidan in Patna. Picture by Nagendra Kumar Singh

OUR CORRESPONDENT

Patna: The Patna Municipal Corporation (PMC) has decided to purchase customised khadi uniform from Khadi and Village Industries Commission (KVIC) for its 4,000 men and women *safai karmacharis* (sanitation workers).

The decision is aimed at commemorating the 150th birth anniversary celebrations of Mahatma Gandhi across the nation on October 2 this year.

Sources said on June 19 PMC commissioner Anupam Kumar Suman had requested the Khadi and Village Industries Commission chairman to provide khadi uniform for its men and women sanitation workers.

Taking a note of the PMC commissioner's request, the KVIC chairman had sent some of his officials to Patna with samples to get it approved from the competent authorities in the PMC.

Surprisingly, the PMC had not only approved the samples, it also raised a demand letter on June 30 for supply of khadi uniform sets for its 4,000 men and women *safai karmacharis*, including 8,000 sets of shirt and pant (for men), 8,000 sets of *salwar kurta* (for women), 4,000 pairs of sandals, 4,000 pairs of shoes/boots and 4,000 pieces of cap by August 15 this year.

Besides, the PMC has also signed a three-year agreement with the KVIC for a regular supply of materials, including the supply of woolen khadi clothes during the winter.

"Not only that, the PMC would be signing a three-year agreement with KVIC for supply of khadi and village industries products, preferably next week in presence of Union minister of state for micro, small and medium enterprises (MSME) Giriraj Singh and other dignitaries. Earlier, those *karmacharis* used to wear uniforms made of terry-cotton, which was not good for their health and skin," said a senior PMC official.

Khadi and Village Industries Commission chairman Vinai Kumar Saxena appeared a happy man with Gandhiji's khadi reaching in upcountry local bodies from Bihar.

"To me, it is like a fittest tribute to the father of the nation (referring to Mahatma Gandhi) ahead of his 150th birthday celebrations from Bihar — a land of Champaran from where he kicked off his journey as Mahatma — to have a unique conversion with a local self body.

The value of this order, approximately Rs 2 crore, is immaterial with respect to khadi being attire of *safai karmacharis* — one of the most-loved lots of Mahatma Gandhi since his Phoenix days in South Africa," he said, adding: "It is also important that khadi has started getting recognition from all corners of the nation. Not only that, the *safai karmacharis* are the lowest, yet most important part of the local bodies — the arch of decentralised administration."

Saxena said the KVIC has drafted an MoU in just 10 days.

Honey bee may get state insect tag in K'taka

Bengaluru: After a state animal, bird and butterfly, here is another. If all goes to plan, the Karnataka Biodiversity Board (KBD) will be the first state in the country to have a 'state insect' — the honey bee. P Sheshadri, KBD chairman, revealed that it has received a proposal to make the honey bee the state insect and that it will be discussed with the experts before the board approaches the government. "Honey bees are special as they contribute immensely to maintain balance in ecology and they also are a means of livelihood for many," Sheshadri said. "It deserves the state insect tag." Bee farming in the state is thriving and is a profitable industry and experts say honey bees play a crucial role in pollinating crops. However, due to rapid urbanisation the bees are a threatened lot in cities, while pesticides used for agriculture are a threat to them in rural areas, a KBD member said.

पंजाब केसरी
ई-पेपर

7/12

'ड्रग्स को न कहें' का मात्र नारा कोई परिणाम नही देगा : डा. हिना

श्रीनगर, 5 जुलाई (मजीद): खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) ने गुरुवार को श्रीनगर के टैगोर हॉल में ड्रग विरोधी जागरूकता कार्यक्रम का प्रायोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन कश्मीर एडवैंचरिस्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारी मात्रा में स्थानीय लोगों के अलावा सैंकड़ों स्कूली और कॉलेज के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य थीम नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खतरे से लड़ने के लिए आम जनता व सरकारी विभागों की भागीदारी की तलाश करना था।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में मौजूद डा. हिना शफी भट्ट, सदस्य के.वी.आई.सी. (उत्तरी क्षेत्र) ने कहा कि 'ड्रग्स को न कहें' का मात्र नारा कोई परिणाम नहीं देगा। हमारे युवाओं की सुरक्षा के लिए कारणों के साथ-साथ उपचार उपायों को ढूंढना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। बंदूक की वजह से हमने अपनी एक पीढ़ी को खो दिया है और अब हम नशीली दवाओं की वजह से दूसरी पीढ़ी को खोते जा रहे हैं। हिना ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि घाटी में नशीली दवाओं की लत को आम जनता के साथ-साथ गैर-सरकारी संगठनों से बहुत कम ध्यान प्राप्त हुआ है, जो सिर्फ समस्या से निपटने के लिए सतही है। यह एक बड़ी सामाजिक समस्या है और इसको खत्म करने के लिए ठोस कदम और रणनीतियों की जरूरत है।

कार्यक्रम को संबोधित करती डा. हिना शफी भट्ट। (समीर खान)

पी.एम.ई.जी.पी. पर पावर प्वाइंट प्रैजैंटेशन दी : कार्यक्रम के दौरान कई कश्मीरी युवाओं ने संगीत और नृत्य के अलावा विभिन्न स्टेज शो का प्रदर्शन कर युवाओं को नशीली दवाओं से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान के.वी.आई.सी. के सहायक निदेशक, प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने युवाओं को बेहतर रोजगार प्रदान करने के लिए भारत सरकार की योजना 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' (पी.एम.ई.जी.पी.) पर विस्तृत पावर प्वाइंट प्रैजैंटेशन दी। उन्होंने कहा कि पी.एम.ई.जी.पी. के तहत लोग खासतौर से युवक अपना उद्यम शुरू कर सकते हैं और यह नशीली दवाओं से युवाओं को बचाने के लिए बहुत प्रभावी साबित हो सकता है।

इस बीच विभिन्न वक्ताओं ने शिक्षकों द्वारा छात्रों के साथ चर्चा पर बल दिया। उन्होंने युवाओं को उन आदतों, जो हानिकारक हैं, से दूर रखने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश फैलाने पर भी जोर दिया। अंत में आयोजकों ने के.वी.आई.सी. को इस कार्यक्रम को प्रायोजित करने के लिए सराहना प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया।

FICCI
@ficci_india

CSR without consciousness is folly: KVIC Chairman

CSR without consciousness is folly: KVIC Chairman
millenniumpost.in

10:45 AM · 21 Jul 18

2 Retweets **5** Likes

Now, Khadi makes paper bags from plastic waste

TIMES NEWS NETWORK

Jaipur: In a unique experiment, Jaipur-based Kumarappa National Handmade Paper Institute (KNHPI) under Khadi and Village Industries Commission has launched handmade paper carry bags using waste plastic material.

Aimed at removing waste plastic from nature, these bags not only promote an environmentally sustainable practice but also allow Khadi and Village Industries (KVIC) source the material at cheaper rates.

Launching the product here, KVIC chairman Vinai Kumar Saxena said, "After seeing piles of waste plastic, I asked the scientists at KNHPI to undertake the experiment. They sourced plastic garbage from the nearby areas. After necessary cleaning and processing, they mixed the plastic waste in the paper pulp up to 20% to ascertain if it can be utilized in handmade paper industries or not. The efforts paid off," said Saxena.

> "After necessary cleaning and processing, they mixed plastic waste in paper pulp up to 20% to ascertain if it can be utilized in handmade paper. The efforts paid off
>
> **VINAI KUMAR SAXENA**
> Chairman | KVIC

Earlier, the cost of production of handmade paper made of white cotton rags was Rs 100 per kg. However, after mixing polythene waste it has come down to Rs 66 per kg with a reduction of 34% in the cost of production.

Similarly, the cost of production of handmade paper carry bag made of white cotton rags was Rs 15.50 per bag. Now, it has come down to Rs 12.10. KNHPI has got a supply order of 75,000 carry bags and its monthly capacity will rise to 1 lakh bags.

The process involves collection, cleaning and chopping and chemical treatment of the waste plastic. After that, it is mixed with the paper raw material which is cotton rags pulp in a ratio of 80% (pulp) and 20% (plastic waste) for final sheet making. But there is a plan to take the waste plastic content to 30%.

Saxena said the REPLAN (REducing PLAstic in Nature) initiative has generated jobs for locals in the unit and they want to add more designing creativity to the products by roping in national institute of designing so that the products gain mass interest and volumes will rise accordingly. Saxena said scientists M E Khan, Saakshy at KNHPI, Jaipur has been instrumental in doing the research and blending plastic in the pulp for making the handmade paper carry bags.

Micro, Small, Medium Enterprises Amendment Bill Introduced In Lok Sabha...
www.ndtv.com

https://www.ndtv.com/business/monsoon-session-of-parliament-micro-small-medium-enterprises-amendment-bill-introduced-in-lok-sabha-1888179 12:55 PM

KVIC comes to rescue the tiger-troubled 'Sunderban'
Bali Island of Sunderban – t...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/kvic-comes-to-rescue-the-tiger-troubled-sunderban-310786
12:55 PM

KVIC to provide training to widows of tiger victims, distribute charkhas
The Khadi and Village Industries Commis...
www.zeebiz.com

http://www.zeebiz.com/agencies/kvic-to-provide-training-to-widows

Khadi and Village Industries Commission launches KIMIS
Khadi and Village Industries ...
www.forevernews.in

http://www.forevernews.in/khadi-and-village-industries-commission-launches-kimis-119204 12:53 PM

Khadi and Village Industries Commission launches KIMIS
Khadi and Village Industries ...
www.forevernews.in

http://www.forevernews.in/khadi-and-village-industries-commission-launches-kimis-119204 12:53 PM

BS Business Standard
KVIC launches in-house e-marketing system
Khadi and Village Industries ...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/kvic-launches-in-house-e-marketing-system-118070301089_1.html 12:54 PM

Indians in Uganda reach compromise on PM Modi's visit
Preparations for Indian Prime Minister, N...
www.observer.ug

https://observer.ug/news/headlines/58170-indians-in-uganda-reach-compromise-on-pm-modi-s-visit.html
12:55 PM

Ugandan delegation visits KVIC
A six-member Ugandan delegation today visited Khadi and Village Industries Com...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/ugandan-delegation-visits-kvic-118071301208_1.html 12:55 PM

Ugandan delegation visits KVIC | Global Edition
Global Edition | A six-member Ugandan d...
www.devdiscourse.com

https://www.devdiscourse.com/Article/57237-ugandan-delegation-visits-kvic 12:55 PM

मोंटेनेग्रो ने मिलाया खादी से हाथ - Inquire India
न्यूज डेस्क: अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का सिग्नेचर फैब्रिक खादी एक अद्वितीय वैश्विक बाजार के रूप में ...
www.inquireindia.com

http://www.inquireindia.com/montenegro-will-work-with-khadi/
12:55 PM

Montenegro diplomats to don Khadi on their national day
www.indiatoday.in

https://www.indiatoday.in/pti-feed/story/montenegro-diplomats-to-don-khadi-on-their-national-day-1283061-2018-07-11 12:55 PM

Montenegro diplomats to don Khadi on their national day | Global Edition...
www.devdiscourse.com

https://www.devdiscourse.com/Article/55242-montenegro-diplomats-to-don-khadi-on-their-national-day 12:55 PM

Uganda looks for new avenues with KVIC
New Delhi: A six-member de...
www.forevernews.in

http://www.forevernews.in/uganda-looks-for-new-avenues-with-kvic-120693 12:55 PM

Install Rajasthan News app : https://play.google.com/store/apps/details?id=com.mobiweb.etvrajasthan

News Title :
देशभर में पेट्रोल पंपकर्मियों को खादी पहनाने की तैयारी, खादी बोर्ड ने भेजा प्रस्ताव

News Description :
राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत विश्नोई ने दावा किया कि मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इन प्रस्तावों को अमली जामा पहनाने का वादा किया है. 12:55 PM

Indians in Uganda reach compromise on PM Modi's visit
Preparations for Indian Prime Minister, N...
www.observer.ug

Type a message

Khadi gets a `fitting tribute
Khadi gets a `fitting tribute
epaper.telegraphindia.com

https://epaper.telegraphindia.com/imageview_200284_165448455_4_76_07-07-2018_8_i_1_sf.html
12:55 PM

Khadi for nation and Khadi for fashion पर MODI का जोर | MUST WATCH !!!...
www.youtube.com

https://youtu.be/vpd0virFLCc
12:55 PM

Khadi Actually Going Global! KVIC to Join Montenegro's National Day Celebrations...
smestreet.in

https://smestreet.in/infocus/khadi-actually-going-global-kvic-to-join-montenegros-national-day-celebrations/ 12:55 PM

Micro, Small, Medium Enterprises Amendment Bill Introduced In Lok Sabha...
www.ndtv.com

https://www.ndtv.com/business/monsoon-session-of-parliament-micro-small-medium-enterprises-amendment-bill-introduced-in-lok-sabha-1888179 12:55 PM

KVIC comes to rescue the tiger-troubled 'Sunderban'
Bali Island of Sunderban – t...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/kvic-comes-to-rescue-the-tiger-troubled-sunderban-310786
12:55 PM

KVIC to provide training to widows of tiger victims, distribute charkhas
The Khadi and Village Industries Commis...
www.zeebiz.com

http://www.zeebiz.com/agencies/kvic-to-provide-training-to-widows

Patna municipal body to provide khadi uniforms to sanitation workers | Global ...
www.devdiscourse.com

https://www.devdiscourse.com/Article/51643-patna-municipal-body-to-provide-khadi-uniforms-to-sanitation-workers 12:55 PM

INDIA TODAY LATEST NEWS
Patna municipal body to provide khadi uniforms to sanitation workers
www.indiatoday.in

https://www.indiatoday.in/pti-feed/story/patna-municipal-body-to-provide-khadi-uniforms-to-sanitation-workers-1279358-2018-07-06
12:55 PM

TOI
PMC workers to don khadi - Times of India
PATNA: The sanitation work...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/city/patna/pmc-workers-to-don

Khadi gets a 'fitting' tribute
The Patna Municipal Corporation (PMC) has decided to purchase customised kha...
www.telegraphindia.com

https://www.telegraphindia.com/states/bihar/khadi-gets-a-fitting-tribute-242992 12:55 PM

Patna municipal body to provide khadi uniforms to sanitation workers
New Delhi: Sanitation workers of the Pat...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/nation/patna-municipal-body-to-provide-khadi-uniforms-to-sanitation-workers-308122 12:55 PM

TOI
PMC workers to don khadi - Times of India
PATNA: The sanitation work...
timesofindia.indiatimes.com

https://timesofindia.indiatimes.com/city/patna/pmc-workers-to-don-khadi/articleshow/64889321.cms
12:55 PM

BS Business Standard
Patna municipal body to provide khadi uniforms to sanitation workers...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/patna-municipal-body-to-provide-khadi-uniforms-to-sanitation-workers-118070600817_1.html 12:55 PM

Patna municipal body to provide khadi uniforms to sanitation workers | Global ...
www.devdiscourse.com

https://www.devdiscourse.com/Article/51643-patna-municipal-body-to-provide-khadi-uniforms-to-sanitation-workers 12:55 PM

INDIA TODAY LATEST NEWS
Patna municipal body to provide khadi uniforms to sanitation workers
www.indiatoday.in

https://www.indiatoday.in/pti-feed/story/patna-municipal-body-to-provide-khadi-uniforms-to-sanitation

12:54 PM

KVIC launches e-marketing system
KVIC Chairman launching e-marketing system- KIMIS. The Khadi and Village Ind...

http://pib.nic.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1537495 12:55 PM

KVIC launches in-house e-marketing system
Khadi and Village Industries Commission...
www.dailypioneer.com

http://www.dailypioneer.com/business-and-finance/kvic-launches-in-house-e-marketing-system.html
12:55 PM

PIB India on Twitter
"Khadi and Village Industries Commission launches e-ma...
twitter.com

ok thank you https://twitter.com/PIB_India/status/1014129784148803585 12:55 PM

KVIC launches single umbrella pan-India e-marketing
By Sachin Murdeshwar New Delhi: In wha...
www.apnnews.com

https://www.apnnews.com/kvic-launches-single-umbrella-pan-india-e-marketing/ 12:55 PM

Bharatsatya News
KVIC reaches upcountry local self bodies Safai Karm...
www.facebook.com

KVIC reaches upcountry local self bodies

Safai Karmacharis of Bihar Capital to don Khadi now

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=1298919370237959&id=238415359621704

https://twitter.com/BharatSatyaNews/status/1015238501942595584?s=19

KVIC launches its Western and Ethnic designer collection
KVIC launches its designer collection to c...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/kvic-launches-its-western-and-ethnic-designer-collection-311961 12:55 PM

Khadi will become a global fabric | Latest online Indian News from India
www.onlineindiannews.com

http://www.onlineindiannews.com/khadi-will-become-a-global-fabric/ 12:55 PM

KVIC Launches Exclusive Western and Ethnic Designer Wear
Giriraj Singh launching Western and Ethni...

http://pib.nic.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1540743 12:55 PM

KVIC launches in-house e-marketing system
www.indiatoday.in

https://www.indiatoday.in/pti-feed/story/kvic-launches-in-house-e-marketing-system-1276552-2018-07-03 12:54 PM

KVIC launches single umbrella pan-India e-marketing platform
New Delhi:In As a fusion of 'Digital India' ...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/kvic-launches-single-umbrella-pan-india-e-marketing-platform-307580 12:54 PM

KVIC unveils e-marketing system - PRAGATIVADI:LEADING ODI...
pragativadi.com

KVIC unveils e-marketing system
http://pragativadi.com/kvic-unveils-e-marketing-system/ 12:54 PM

Ugandan delegation visits KVIC
www.outlookindia.com

https://www.outlookindia.com/newsscroll/ugandan-delegation-visits-kvic/1349519 12:55 PM

CSR without consciousness is folly: KVIC Chairman
The role of Corporate Social Responsibilit...
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/csr-without-consciousness-is-folly-kvic-chairman-310328 12:55 PM

Bharatsatya News
KVIC to give new way of life to tiger-widows of Bali Islan...
www.facebook.com

KVIC to give new way of life to tiger-widows of Bali Island in Sundarban soon

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=1318500414946521&id=238415359621704

Khadi and Village Industries Commission launches western, ethnic wear collections
THE Khadi and Village Industries Commi...
www.newindianexpress.com

http://www.newindianexpress.com/business/2018/aug/01/khadi-and-village-industries-commission-launches-western-ethnic-wear-collections-1851402.html 12:55 PM

Giriraj Singh lauds Modi's call to promote khadi
Giriraj Singh lauds Modi's ca...
www.thequint.com

https://www.thequint.com/news/hot-news/giriraj-singh-lauds-modi-s-call-to-promote-khadi 12:55 PM

Giriraj Singh lauds Modi's call to promote khadi
Mahatma Gandhi's "khadi fo...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/news-ians/giriraj-singh-lauds-modi-s-call-to-promote-khadi-118073101582_1.html 12:55 PM

Montenegro diplomats to don Khadi on their national day...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/montenegro-diplomats-to-don-khadi-on-their-national-day-118071101102_1.html 12:55 PM

Montenegro Diplomats to Wear Khadi on their National Day
pib.nic.in

http://pib.nic.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=180514 12:55 PM

Montenegro Diplomats in to wear Khadi on their National Day...
www.forevernews.in

http://www.forevernews.in/montenegro-diplomats-in-to-wear-khadi-on-their-national-day-120298 12:55 PM

Khadi and Village Industries Commission launches KIMIS
Khadi and Village Industries ...
www.forevernews.in

http://www.forevernews.in/khadi-and-village-industries-commission-launches-kimis-119204 12:53 PM

Khadi and Village Industries Commission launches KIMIS
Khadi and Village Industries ...
www.forevernews.in

http://www.forevernews.in/khadi-and-village-industries-commission-launches-kimis-119204 12:53 PM

KVIC launches in-house e-marketing system
Khadi and Village Industries ...
www.business-standard.com

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/kvic-launches-in-house-e-marketing-system-118070301089_1.html 12:54 PM

Khadi India

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

अपने शहर के एक खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं, गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद, जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056 वेबसाईट : www.kvic.org.in

नजदीकी खादी आउटलेट की जानकारी के लिए
मोबाईल ॲप डाउनलोड करें।

Follow us on kvicindia @kvicindia

भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृद्धि बुनते है

KVIC ARTWING 2018